एम0ए0 हिन्दी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम
श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड़ राज्य विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल।

प्रथम वर्ष (प्रथम सत्र)

पहला प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)
दूसरा प्रश्न पत्र – आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य
तीसरा प्रश्न पत्र – मध्यकालीन सगुण एवं रीतिकालीन काव्य
चौथा प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)

द्वितीय सत्र

पांचवा प्रश्न पत्र – भारतीय काव्य शास्त्र एवं हिन्दी आलोचना
छठवां प्रश्न पत्र – आधुनिक गद्य (निबन्ध, नाटक एवं अन्य गद्य विधाऐं)
सातवां प्रश्न पत्र – उपन्यास एवं कथा साहित्य
आठवां प्रश्न पत्र – पाश्चात्य काव्य शास्त्र
नौवां प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य (भारतेन्दु युग से उत्तर छायावाद तक)

द्वितीय वर्ष (तृतीय सत्र)

दसवां प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
ग्यारहवां प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य (छायावादोत्तर हिन्दी कविता)
बारहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) लघु शोध प्रबन्ध
(ख) भारतीय साहित्य
(ग) जयशंकर प्रसाद
(घ) चंद्रकुंवर बर्तवाल
तेरहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) सूरदास
(ख) तुलसीदास
(ग) हिन्दी नाटक और रंगमंच
(घ) प्रेमचन्द

चतुर्थ सत्र

चौदहवां प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा
पन्द्रहवां प्रश्न पत्र – प्रयोजन मूलक हिन्दी और मीड़िया लेखन
सोलहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) संस्कृत
(ख) गढ़वाली लोक साहित्य
(ग) अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग

सत्रहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) जनपदीय भाषा साहित्य (गढ़वाली भाषा साहित्य)
(ख) हिन्दी आलोचना साहित्य
(ग) अनुसंधान : प्रविधि और प्रक्रिया

अठ्ठारहवां प्रश्न पत्र – मौखिकी

प्रथम वर्ष (प्रथम सत्र)

पहला प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)

इकाई 01 –

- इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा एवं प्रविधि, काल विभाजन एवं नामकरण।
- आदिकाल – आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, नामकरण, सिद्ध, नाथ, जैन और रासो काव्य की प्रमुख साहित्यिक विशेषतायें।

इकाई 02 –

- मध्ययुगीन बोध का स्वरूप, भक्ति आंदोलन, हिन्दी साहित्य के मध्यकाल के सन्दर्भ में रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी और रामविलास शर्मा का चिन्तन।
- प्रमुख निर्गुण मार्गी सन्त कवि और उनकी काव्यगत विशेषतायें, भारतीय संस्कृति पर प्रभाव **तथा**
  भारत में सूफी मत का विकास, प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रन्थ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्व।

इकाई 03 –

- रामभक्ति शाखा एवं कृष्ण भक्ति शाखा के प्रमुख कवि एवं काव्य, रामभक्ति शाखा एवं कृष्ण भक्ति शाखा का भारतीय संस्कृति में योगदान व उनकी सामाजिक–दार्शनिक पृष्ठभूमि।

इकाई 04 –

- उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक–सामाजिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, दरबार लोक और सम्प्रदाय।
- रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख काव्य धाराएं – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्य और वीर तथा नीतिपरक काव्य। प्रमुख कवि, काव्य और काव्यगत विशेषतायें।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
4. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
5. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग –1,2 – भगीरथ मिश्र।
6. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डे।
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र।
8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह।
9. हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
10. मध्यकालीन बोध का स्वरूप – हजारी प्रसाद द्विवेदी।

दूसरा प्रश्न पत्र – आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य

इकाई 01 –

- पृथ्वीराज रासो (पदमावती समय) प्रारम्भ के पन्द्रह पद।
- विद्यापति पदावली सं0 रामवृक्ष बेनीपुरी, प्रारम्भ के पच्चीस पद।

इकाई 02 –

- कबीरदास, कबीर ग्रन्थावली सं0 श्यामसुन्दर दास। गुरूदेव को अंग – 3,6,12,17,20। विरह को अंग – 1,3,6,11,12। परचा को अंग – 4,7,8,12,14। पद संख्या – 2,10,11,15,16,19,27,40,43,44।
- जायसी – पदमावत सं0 रामचन्द्र शुक्ल, नागमती वियोग वर्णन खण्ड़।

इकाई 03 –

- रैदास, रैदास ग्रन्थावली। प्रारम्भ के बीस दोहे।
- रहीम, रहीम ग्रन्थावली, सं0 विद्यानिवास मिश्र। दोहा संख्या – 8,9,15,20,33,46,4749,57,68,75,93,96,105,140।

इकाई 04 –

- उपरोक्त कवियों से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. त्रिवेणी – रामचन्द्र शुक्ल।
2. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य – नामवर सिंह।
3. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह।
4. जायसी – विजयदेव नारायण साही।
5. जायसी एक नई दृष्टि – रघुवशं।
6. सूफीमत और हिन्दी सूफी काव्य – नरेश।

तीसरा प्रश्न पत्र – मध्यकालीन सगुण एवं रीतिकालीन काव्य

इकाई 01 –

- सूरदास, भ्रमरगीत सार, सं0 रामचन्द्र शुक्ल, व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 100 तक।
- तुलसीदास, रामचरितमानस (सुन्दर कांड), 01 से 50 तक के दोहे व चौपाइयां।

इकाई 02 –

- बिहारी, बिहारी रत्नाकर, सं0 जगन्नाथ दास रत्नाकर (व्याख्या के लिए प्रारम्भ के 25 दोहे)।
- घनानन्द कवित्त, सं0 आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरम्भ के 20 छन्द)।

इकाई 03 –

- पदमाकर (जगत विनोद), व्याख्या हेतु पद
  1. सुंदर सुरंग नैन सोभित अनंग रंग
  2. झांकति है झरोखे लगी लग लागीबे
  3. ए ब्रजचंद चलौ किन वा लूकें
  4. वा अनुराग की फाग लखौ
  5. एक संग धाये नन्दलाल और गुलाल दोउ
  6. फाग की भीर अभीरन में गही गोविंद
- मतिराम (रसराज), व्याख्या हेतु पद
  1. कुन्दन को रंग फीकौ लगै
  2. कानन लौं लागे मुस्कान
  3. क्यों इन आंखिन
  4. गौने के द्यौस सिंगारन को
  5. मानहु पायौ है राज कहुं
  6. मोरपखा मतिराम किरीट

इकाई 04 –

- सेनापति (ऋतु वर्णन), व्याख्या हेतु पद
  1. वर्षा ऋतु – सेनापति उनए गए जलद सावन के
  2. शरद ऋतु – कातिक की राति थोरी
  3. हेंमत ऋतु – सीत को प्रबल सेनापति
  4. बसंत ऋतु – लाल लाल टेसू फूलि रहे हैं
  5. ग्रीष्म ऋतु – वृष को तरनि तेज
  6. शिशिर ऋतु – शिशिर में ससि को, सरूप पवै सबिताऊ

- रसखान रचनावली, सं0 विद्यानिवास मिश्र/सत्यदेव मिश्र (व्याख्या हेतु सवैया संख्या – 1,2,3,5,10,16)

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह।
2. मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी – रामसागर त्रिपाठी।
3. तुलसीदास – रामचन्द्र तिवारी।
4. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह।
5. सूर की काव्य कला – मनमोहन गौतम।
6. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह।
7. मतिराम – त्रिभुवन सिंह।
8. घनानन्द का काव्य – रामदेव शुक्ल।
9. पदमाकर कवि – शुकदेव दुबे।
10. रसखान काव्य और आलोचना – ब्रजभूषण सावलिया।
11. पदमाकर – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

चौथा प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)।

इकाई 01 –

- आधुनिक बोध का स्वरूप, मध्यकालीन साहित्य का आधुनिक साहित्य में रूपान्तरण, आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। 1857 की क्रांति और पुनर्जागरण।
- भारतेन्दु युग – प्रमुख साहित्यकार और उनकी काव्यगत विशेषताऐं।

इकाई 02 –

- द्विवेदी युग – काव्यगत विशेषताऐं एवं रचनाकार।
- हिन्दी स्वछन्दतावादी काव्य का विकास, छायावाद और उत्तर छायावादी काव्य की काव्यगत विशेषताऐं।

इकाई 03 –

- प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, नई कविता के प्रमुख कवि और काव्यगत विशेषताऐं।

इकाई 04 –

- हिन्दी गद्य का विकास और गद्य के विकास की वैचारिक पृष्ठभूमि।
- हिन्दी गद्य की विविध विधाओं का विकास।

सहायक ग्रन्थ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा।
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह।
4. दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – इकबाल सिंह।
5. आधुनिकता और हिन्दी साहित्य – इन्द्रनाथ मदान।
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह।
7. हिन्दी नवजागरण और संस्कृति – शम्भूनाथ सिंह।
8. हिन्दी वांग्मय : बीसवीं शती – सं0 नगेन्द्र।

द्वितीय सत्र

पांचवां प्रश्न पत्र – भारतीय काव्य शास्त्र और हिन्दी आलोचना।

इकाई 01 –

- संस्कृत काव्य शास्त्र का परिचय, काव्य लक्षण, काव्यहेतु, काव्य प्रयोजन और काव्य के भेद।
- रस सिद्धान्त – स्वरूप, रस के अंग, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

इकाई 02 –

- अलंकार सिद्धान्त की मूल स्थापनाऐं।
- रीति सिद्धान्त, काव्य गुण, रीति और शैली।
- वक्रोक्ति सिद्धान्त की मुख्य अवधारणऐं एवं भेद।

इकाई 03 –

- ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि का स्वरूप, प्रमुख स्थापनाऐं, ध्वनि काव्य के भेद।
- औचित्य सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाऐं।

इकाई 04 –

- हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख हिन्दी आलोचक व उनके सिद्धान्त (रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह)।
- हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृतियां – शास्त्रीय, स्वछंदतावादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, ऐतिहासिक–सामाजिक, समाजशास्त्रीय।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. भारतीय साहित्य शास्त्र – बलदेव उपाध्याय।
2. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र।
3. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – नगेन्द्र।
4. भारतीय काव्यशास्त्र – राममूर्ति त्रिपाठी।
5. भारतीय काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली।
6. हिन्दी आलोचना का सैद्धान्तिक आधार – कृष्णदत्त पालीवाल।
7. हिन्दी आलोचना के नये वैचारिक सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल।
8. हिन्दी साहित्य शास्त्र – नंदकिशोर नवल।
9. बीसवीं शताब्दी की हिन्दी आलोचना – निर्मला जैन।
10. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी।

छठवां प्रश्न पत्र – आधुनिक गद्य (निबन्ध, नाटक एवं अन्य गद्य विधाऐं)।

इकाई 01 –

- नाटक – चन्द्रगुप्त (जयशंकर प्रसाद)।
  लहरों के राजहंस (मोहन राकेश)।

इकाई 02 – निबन्ध।

- अद्भुत अपूर्व स्वप्न – भारतेन्दु हरीशचन्द्र।
- कविता क्या है – रामचन्द्र शुक्ल।
- अशोक के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
- उत्तराखण्ड़ में सन्त मत और सन्त साहित्य – पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल।
- शिक्षा का उद्देश्य – महादेवी वर्मा।
- भारतीयता – अज्ञेय।

इकाई 03 –

- पथ के साथी (महादेवी वर्मा) निराला और प्रसाद पर लिखे संस्मरण।

इकाई 04 –

- रामवृक्ष बेनीपुरी की पुस्तक 'माटी की मूरतें' से एक रेखाचित्र – रजिया।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
2. हिन्दी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख – सं0 इन्द्रनाथ मदान।
3. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना – गोविन्द चातक।
4. नाटककार मोहन राकेश – पुष्पा वंसल।
5. साहित्य में गद्य की नयी विधाऐं – कैलाशचंद्र भाटिया।

सातवां प्रश्न पत्र – उपन्यास एवं कथा साहित्य।

इकाई 01 –

- गोदान – प्रेमचन्द।

इकाई 02 –

- मैला आंचल – फणीश्वरनाथ रेणु।

इकाई 03 –

- शेखर एक जीवनी – अज्ञेय।

इकाई 04 – हिन्दी कहानी।

- उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी।
- कफन – प्रेमचन्द।
- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद।
- दोपहर का भोजन – अमरकान्त।
- राजा निरवंसिया – कमलेश्वर।
- पिता – ज्ञानरंजन।
- जंगलजातकम – काशीनाथ सिंह।
- पालगोमरा का स्कूटर – उदय प्रकाश।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. गोदान : पुनर्मूल्यांकन – गोपाल राय।
2. हिन्दी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा – रामदरश मिश्र।
3. राष्ट्रीय आन्दोलन और हिन्दी उपन्यास – तेज सिंह।
4. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना – राजेन्द्र यादव।
5. हिन्दी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय।
6. कहानी : नई कहानी – नामवर सिंह।
7. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति – सं0 देवीशंकर अवस्थी।
8. कहानी पाठ और प्रक्रिया – सुरेन्द्र चौधरी।

आठवां प्रश्न पत्र – पाश्चात्य काव्य शास्त्र

इकाई 01 –

- प्लेटो के काव्य सिद्धान्त
- अरस्तू का अनुकरण, त्रासदी व विरेचन सिद्धान्त
- लाँजाइनस की उदात्त की अवधारणा

इकाई 02 –

- वर्डसवर्थ का काव्य भाषा सिद्धान्त
- कॉलरिज का कल्पना सिद्धान्त
- मैथ्यू आर्नाल्ड – कला और नैतिकता, आलोचना के प्रकार्य

इकाई 03 –

- आई0ए0 रिचर्डस – काव्य मूल्य, संवेगों सन्तुलन, व्यावहारिक आलोचना
- टी0एस0 इलियट – परम्परा और व्यैक्तिक प्रज्ञा, निर्व्यैक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण

इकाई 04 –

- नई समीक्षा, स्वछंदतावाद, शास्त्रीयतावाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तरआधुनिकतावाद, संरचनावाद और विखण्ड़नवाद

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली।
2. काव्य चिन्तन की पश्चिमी परम्परा – निर्मला जैन।
3. उदात्त के विषय में – निर्मला जैन।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – निर्मला जैन।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा।
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन सन्दर्भ – सत्यदेव मिश्र।
7. अरस्तू का काव्यशास्त्र – डॉ0 नगेन्द्र।
8. उत्तर आधुनिकता कुछ विचार – सं0 देवीशंकर नवीन।

नौवां प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य (भारतेन्दु युग से उत्तर छायावाद तक)

इकाई 01 –

- मैथिलीशरण गुप्त – साकेत का नौवां सर्ग।
- अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध – प्रियप्रवास का प्रथम सर्ग।

इकाई 02 –

- जयशंकर प्रसाद – कामायनी का लज्जा सर्ग।
- सुमित्रानन्दन पंत – प्रथम रश्मि, मौन निमंत्रण, बादल, नौका विहार, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, ताज, पर्वत प्रदेश में पावस।

इकाई 03 –

- निराला – राम की शक्ति पूजा, बादल राग 1 और 2, सरोज स्मृति।
- महादेवी वर्मा – यामा के प्रारम्भिक चार गीत।

इकाई 04 –

- रामधारी सिंह दिनकर – रश्मिरथी सर्ग तीन से (वर्षों तक वन में घूम घूम.............. दोनों पुकारते थे जय जय।)
- हरिवशंराय बच्चन – मधुशाला प्रारम्भ के बीस छन्द, इस पार प्रिये मधु है।

सहायक ग्रन्थ –

1. निराला की साहित्य साधना, भाग 1,2 और 3 – रामविलास शर्मा।
2. कामायनी रूपक – विनय।
3. प्रसाद का पूर्ववर्ती काव्य – उषा मिश्र।
4. प्रसाद निराला और पंत : छायावाद और उसकी वृहत त्रयी – विजय बहादुर सिंह।
5. साकेत एक अध्ययन – नगेन्द्र।
6. छायावाद – नामवर सिंह।
7. महादेवी – बच्चन सिंह।
8. कामायनी एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध।
9. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी।

द्वितीय वर्ष – तृतीय सत्र

दसवां प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई 01 –

- भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा परिवर्तन के कारण, दिशाऐं, भाषिक संरचना के स्तर और प्रकार्य, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार।

इकाई 02 –

- स्वन विज्ञान – स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाऐं, वाक अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा, स्वनों का वर्गीकरण, स्वनिम की अवधारणा और भेद।

इकाई 03 –

- रूपिम विज्ञान – रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाऐं, रूपिम की अवधारणा और भेद – मुक्त और आबद्ध, सम्बन्ध तत्व और अर्थ तत्व।
- वाक्य विज्ञान – परिभाषा, भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण।

इकाई 04 –

- अर्थ विज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाऐं, पर्यायता, विलोमता, अनेकार्थता।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी।
2. आधुनिक भाषा विज्ञान – कृपाशंकर सिंह।
3. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा।
4. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा।

ग्यारहवां प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य (छायावादोत्तर हिन्दी कविता)

इकाई 01 –

- अज्ञेय – नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की, साम्राज्ञी का नैवेद्य दान, यह दीप अकेला, असाध्य वीणा।
- मुक्तिबोध – अंधेरे में, ब्रह्मराक्षस, भूल गलती, आत्मा के मित्र मेरे।

इकाई 02 –

- नागार्जुन – सिंदूर तिलकित भाल, अकाल के बाद, फसल, प्रतिबद्ध हूँ........, अमल धवल हिमगिरी के शिखरों पर।
- रघुवीर सहाय – दो अर्थ का भय, बडी हो रही लडकी, रामदास, औरत की जिंदगी।

इकाई 03 –

- केदारनाथ सिंह – सुई और तागे के बीच में, उस आदमी को देखो, बाघ 1,2,3 और 4।
- शमशेर बहादुर सिंह – एक पीली शाम, उषा, काल तुझसे होड़ है मेरी।

इकाई 04 –

- वीरेन डंगवाल – या देवी, परम्परा, दुष्चक्र में स्रष्टा।
- मंगलेश डबराल – यहां थी वह नदी, पहाड़ पर लालटेन, आवाजें, संगतरास।

सहायक ग्रन्थ –

1. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
2. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह।
3. आधुनिक हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
4. कविता की जमीन और जमीन की कविता – नामवर सिंह।
5. आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्ब विधान का विकास – केदारनाथ सिंह।

बारहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) लघु शोध प्रबन्ध

छात्र/छात्रा विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक के सहयोग एवं अनुमति से लघु शोध प्रबन्ध के विषय का चयन करेंगे। लघु शोध प्रबन्ध लगभग पचास पृष्ठों का होना चाहिए, जिसका मूल्यांकन आन्तरिक एवं वाह्य परीक्षक द्वारा होगा। लघु शोध प्रबन्ध का चयन वही छात्र कर सकते हैं जिन्होने एम0ए0 प्रथम वर्ष (प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर) में न्यूनतम 60 % अंक प्राप्त किये हों।

विकल्प (ख) भारतीय साहित्य

इकाई 01 –

- भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याऐं, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब।
- भारतीयता का समाजशास्त्र।

इकाई 02 –

- दाक्षिणात्य भाषा वर्ग – तमिल, तेलगु, कन्नड़, मलयालम।
- पूर्वांचल भाषा वर्ग – उड़िया, बंगला, असमिया, मणिपुरी।
- पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग – मराठी, गुजराती, कश्मीरी, उर्दू।
  उपरोक्त भाषाओं के साहित्य की विशेषताऐं और प्रतिनिधि साहित्यकार।

इकाई 03 – पाठ्य पुस्तकें

- संस्कार – (कन्नड़) यू0आर0 अनन्तमूर्ति।

इकाई 04 –

- बीच का रास्ता नहीं होता। पाश (पंजाबी कविता संग्रह)।
- घासीराम कोतवाल। विजय तेन्दुलकर (मराठी नाट्क)।

सहायक ग्रन्थ –

1. भारतीय साहित्य – नगेन्द्र।
2. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याऐं – रामविलास शर्मा।
3. आधुनिक भारतीय चिन्तन – विश्वनाथ नरवणे।
4. भारतीय साहित्य – रामछबीला त्रिपाठी।
5. भारतीय साहित्य – मूलचन्द गौतम।

विकल्प (ग) जयशंकर प्रसाद

इकाई 01 –

- कामायनी – आशा, श्रद्धा, इडा और काम सर्ग।
- लहर काव्य संग्रह की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित कविताऐं।

इकाई 02 –

- ध्रुवस्वामिनी नाट्क

इकाई 03 –

- कंकाल उपन्यास।
- प्रतिध्वनि, आकाशदीप, पुरस्कार, मधुवा कहानियां।

इकाई 04 –

- काव्य कला तथा अन्य निबन्ध (प्रथम और अंतिम निबन्ध)।

नोट – पाठ्यक्रम में जयशंकर प्रसाद का सम्पूर्ण साहित्य है। उपरोक्त पुस्तकों का निर्देश केवल व्याख्या के लिए किया गया है।

सहायक ग्रन्थ –

1. जयशंकर प्रसाद – नन्ददुलारे वाजपेई।
2. जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला – रामेश्वर खण्डेलवाल।
3. प्रसाद और उनका साहित्य – विनोद शंकर व्यास।
4. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर।
5. प्रसाद का गद्य साहित्य – राजमणि शर्मा।
6. कामायनी का पुनर्मुल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
7. प्रसाद साहित्य में अतीत चिन्तन – धर्मपाल कपूर।

विकल्प (घ) चंद्रकुंवर बर्तवाल

चंद्रकुंवर बर्तवाल के निम्नलिखित पाठ्य ग्रन्थ पाठ्यक्रम में हैं –

1. मेघनन्दिनी।
2. पयस्विनी।
3. विराट ज्योति।
4. गीत माधवी एवं जीतू।
5. कंकड़ पत्थर।

नोट – पाठ्यक्रम में चंद्रकुंवर बर्तवाल का सम्पूर्ण साहित्य है। उपरोक्त पुस्तकों का निर्देश केवल व्याख्या के लिए किया गया है।

सहायक ग्रन्थ –

1. छायावाद के आधार स्तम्भ – गंगा प्रसाद पाण्डेय।
2. छायावाद – सम्भूनाथ सिंह।
3. चंद्रकुंवर, काव्य प्रसंग और काव्य संहिता – श्रीकंठ, जय श्री ट्रस्ट, 310, बसन्त विहार, देहरादून।

तेरहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) सूरदास

इकाई 01 –

- सूरसागर (दोनों खण्ड), सं0 नन्ददुलारे वाजपेई।

इकाई 02 –

- कृष्णभक्ति शाखा की दार्शनिक पृष्ठभूमि और सूरदास, सामाजिक सांस्कृतिक अवदान, सूर का वातसल्य।

इकाई 03 –

- भ्रमरगीत परम्परा और सूरदास, भ्रमरगीत में सूर की मौलिक उदभावनायें और उद्देश्य।

इकाई 04 –

- भ्रमरगीत में गोपियों का वाग्वैदग्धय, सूर का काव्य शिल्प – अलंकार, बिम्ब और गीतात्मकता आदि।

सहायक ग्रन्थ –

1. सूर की काव्य कला – मनमोहन गौतम।
2. सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल।
3. सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
4. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय।

5. सूर और उनका साहित्य – हरवशं लाल शर्मा।

विकल्प (ख) तुलसीदास

पाठ्यग्रन्थ –

- रामचरितमानस – बालकाण्ड और अयोध्याकाण्ड।
- विनयपत्रिका – प्रारम्भ के पचास पद।
- कवितावली – सम्पूर्ण।

नोट – पाठ्यक्रम में तुलसीदास का सम्पूर्ण साहित्य है। उपरोक्त पुस्तकों का निर्देश केवल व्याख्या के लिए किया गया है।

सहायक ग्रन्थ –

1. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल।
2. तुलसी दर्शन – डॉ0 बलदेव मिश्र।
3. तुलसी मीमांशा – डॉ0 उदयभान सिंह।
4. तुलसी विविध संदर्भों में – डॉ0 वचन देव कुमार।
5. तुलसी साहित्य और साधना – डॉ0 इन्द्रपाल सिंह।

विकल्प (ग) हिन्दी नाटक और रंगमंच

इकाई 01 –

- अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरीशचन्द्र।
- आधे अधूरे – मोहन राकेश।
- अंधा युग – धर्मवीर भारती।
- संशय की एक रात – नरेश मेहता।

इकाई 02 –

- हिन्दी रंगमंच का इतिहास – अव्यवसायिक, व्यवसायिक, पेशेवर, शौकिया, पारसी रंगमंच, पृथ्वी थियेटर, इप्टा, आजादी के बाद का रंगमंच।

इकाई 03 –

- भरत, स्तानिस्लावस्की और बर्टोल्ट ब्रेख्ट के अभिनय सिद्धान्त।

इकाई 04 –

- भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद और मोहन राकेश का नाट्य चिन्तन।

सहायक ग्रन्थ –

1. भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच – सीताराम चतुर्वेदी।
2. नाट्य शास्त्र – राधा वल्लभ त्रिपाठी।
3. रंगमंच – बलवन्त गार्गी।
4. रंगदर्शन – नेमिचन्द्र जैन।
5. पारम्परिक भारतीय रंगमंच – कपिला वात्स्यायन
6. पारसी हिन्दी रंगमंच – लक्ष्मी नारायण लाल।
7. नाट्य शास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
8. भारत की हिन्दी नाट्य संस्थाऐं और नाट्यशालाऐं – विश्वनाथ शर्मा।
9. ग्रीक नाट्य कला कोष – कमल नसीम।
10. हिन्दी नाट्क और रंगमंच : ब्रेख्त का प्रभाव – सुरेश वशिष्ठ।
11. खड़िया का घेरा (भूमिका) – सं0 कमलेश्वर।
12. स्तानिस्लावस्की : चरित्र की रचना प्रक्रिया – अनु0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
13. स्तानिस्लावस्की : अभिनेता की तैयारी – अनु0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

<u>विकल्प (घ) प्रेमचन्द</u>

निम्नलिखित रचनायें पाठ्यक्रम में हैं –

1. रंगभूमि।

2. कर्मभूमि।

3. कुछ विचार।

4. मानसरोवर (खण्ड़ 1)।

नोट – पाठ्यक्रम में प्रेमचन्द का सम्पूर्ण साहित्य है। उपरोक्त पुस्तकों का निर्देश केवल व्याख्या के लिए किया गया है।

सहायक ग्रन्थ –

1. प्रेमचन्द एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान।
2. कथाकार प्रेमचन्द – जाफर रजा।
3. कहानीकार प्रेमचन्द : रचना दृष्टि और रचना शिल्प – शिव कुमार मिश्र।
4. प्रेमचन्द और भारतीय किसान – रामवक्ष।
5. प्रेमचन्द का सौन्दर्यशास्त्र – नंदकिशोर नवल।
6. प्रेमचन्द के उपन्यासों की कथा संरचना – मीनाक्षी श्रीवास्तव।
7. प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा।

चतुर्थ सत्र

चौदहवां प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा

इकाई 01 –

- हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राचीन भारतीय आर्य भाषाऐं – वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत।
- मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाऐं – पालि, प्राकृत, अपभ्रंश और उनकी विशेषताऐं।
- आरंभिक या पुरानी हिन्दी।

इकाई 02 –

- हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी की प्रमुख उपभाषाऐं, खड़ी बोली के रूप में हिन्दी का विकास, दखिनी हिन्दी।
- प्रमुख बोलियां – व्रज, अवधि और खड़ी बोली की विशेषताऐं व उनकी विरासत।

इकाई 03 –

- हिन्दी का भाषिक स्वरूप – हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था। हिन्दी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, समास, रूपरचना।
- रूपरचना – लिंग, वचन, कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण व क्रियारूप। हिन्दी वाक्य रचना – पदक्रम और अन्विति।

इकाई 04 –

- हिन्दी के विविध रूप – सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी और हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

सहायक ग्रन्थ –

1. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – गुणानन्द जुयाल।
2. हिन्दी भाषा : अतीत से आज तक – विजय अग्रवाल।
3. हिन्दी भाषा – हरदेव बाहरी।
4. हिन्दी भाषा का इतिहास – भोलानाथ तिवारी।
5. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याऐं और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा।
6. हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास – उदय नारायण तिवारी।

पन्द्रहवां प्रश्न पत्र – प्रयोजन मूलक हिन्दी और मीड़िया लेखन

इकाई 01 –

- प्रयोजन मूलक हिन्दी का स्वरूप, अभिप्राय, उद्देश्य तथा क्षेत्र – सामान्य हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी तथा प्रशासनिक हिन्दी का सम्बन्ध एवं अन्तर।
- प्रयोजन मूलक हिन्दी के प्रकार – प्रशासनिक, कार्यालयी, वित्त–वाण्ज्यि, बैंकिंग, बीमा, व्यापार, विधि, विज्ञापन एवं संचार माध्यम आदि।

इकाई 02 –

- प्रशासनिक व्यवस्था में हिन्दी – पत्राचार का स्वरूप एवं महत्व, पत्राचार के प्रकार, सरकारी–अर्द्धसरकारी पत्र, ज्ञापन, परिपत्र, आदेश, पृष्ठांकन, टिप्पणी, प्रारूपण, प्रतिवेदन, विज्ञप्ति आदि।
- प्रशासनिक भाषा की विशेषताऐं – विशिष्ट प्रयुक्तियां, क्रिया शब्द, पदबन्ध, पारिभाषिक शब्दावली, कार्यालयी हिन्दी की प्रयुक्तियां।

इकाई 03 –

- मीडिया लेखन – जनसंचार के श्रव्य–दृश्य माध्यमों की भाषिक विशेषताऐं, सोशल मीडिया और इन्टरनेट।

इकाई 04 –

- टेली–ड्रामा/डॉक्यूमेन्टरी ड्रामा आदि के लिए पटकथा लेखन एवं संवाद लेखन, विज्ञापनों की भाषिक विशेषताऐं, इन्टरनेट सामग्री सृजन, ब्लॉग का स्वरूप, ब्लॉग निर्माण और हिन्दी ब्लॉग।

सहायक ग्रन्थ –

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे।
2. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी और जनसंचार – राजेन्द्र मिश्र।
4. कामकाजी हिन्दी – कैलाश चन्द्र भाटिया।
5. जनसंपर्क प्रचार एवं विज्ञान – विजय कुलश्रेष्ठ।
6. सूचना प्रौद्योगिकी और जन माध्यम – हरिमोहन।

सोलहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) संस्कृत

इकाई 01 –

- कादम्बरी (केवल शुकनासोपदेश) – बाणभट्ट।

इकाई 02 –

- कुमारसम्भवम् (पंचम सर्ग) – कालिदास।

इकाई 03 –

- ऋतु वर्णन समुच्चय (केवल बसन्त ऋतु वर्णन) – वाल्मीकि।

इकाई 04 –

- संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय और संधि व समास पर आधारित प्रश्न।

नोट – केवल वे ही छात्र यह प्रश्न पत्र ले सकते हैं जिन्होने इण्टरमीडिएट से उपर की कक्षाओं में संस्कृत विषय का अध्ययन न किया हो।

सहायक ग्रन्थ –

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – ए0 वी0 कीथ।
2. संस्कृत नाट्क – ए0 वी0 कीथ।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय।
4. संस्कृत कवि दर्शन – भोलाशंकर व्यास।
5. उपमा कालिदासस्य – शशिभूषण दास गुप्त।
6. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा – चन्द्रशेखर।
7. बाणभट्ट और उनकी कादम्बरी – महेश भारती।

विकल्प (ख) गढ़वाली लोक साहित्य

इकाई 01 –

- लोक साहित्य की अवधारणा और गढ़वाली लोक साहित्य, लोक संस्कृति और लोक साहित्य का सम्बन्ध, गढ़वाली भाषा का विकास, शब्द सम्पदा और अर्थ भेद।
- लोक साहित्य की विविध विधाऐं और गढ़वाली लोक साहित्य की विविध विधाओं का परिचय।

इकाई 02 –

- लोकगीत का स्वरूप और विशेषताऐं, गढ़वाली लोकगीतों की विशेषताऐं और उनका वर्गीकरण।
- लोकगाथा का अर्थ, स्वरूप और विशेषताऐं, गढ़वाली लोकगाथाओं की विशेषताऐं और उनका वर्गीकरण।

इकाई 03 –

- लोककथा का स्वरूप और विशेषताऐं, गढ़वाली लोककथाओं की विशेषताऐं।
- गढ़वाली पखाणा एवं आणा (पहेली एवं लोकोक्तियां)।
- गढ़वाली लोकगीतों, लोकगाथाओं, लोककथाओं और प्रकीर्ण साहित्य में प्रतिबिम्बित गढ़वाली समाज और जन अनुभवों का समाजशास्त्रीय अध्ययन।

इकाई 04 –

- गढ़वाली लोक वाद्य, ढोल सागर, औजी–बादी और नंदाजात।
- गढ़वाल के प्रसिद्ध लोक साहित्य संकलनकर्ता और लोक साहित्य में उनका योगदान।

सहायक ग्रन्थ –

1. लोक साहित्य विज्ञान – सत्येन्द्र।
2. गढ़वाली लोक गीत : एक सांस्कृतिक अध्ययन – गोविन्द चातक।
3. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ0 हरिदत्त भट्ट शैलेश।
4. गढ़वाल के लोकगीत और लोकनृत्य – शिवानन्द नौटियाल।
5. गढ़वाली लोक साहित्य का सन्दर्भ : मध्य हिमालय – गोविन्द चातक।
6. गढ़वाली लोकमानस – शिवानन्द नौटियाल।
7. भारतीय लोक साहित्य कोश, खण्ड 4 – सुरेश गौतम।

विकल्प (ग) अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग

इकाई 01 –

- अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र और सीमाऐं।
- प्राचीन परम्परा, इतिहास और पृष्ठभूमि, आधुनिक अनुवाद कर्म : अनुवाद की प्रक्रिया, भाषिक विश्लेषण, अन्तरण और पुनर्गठन, रूपान्तरण और मिश्रण के नये रूप।

इकाई 02 –

- दुभाषिया कर्म, आशु अनुवाद, यांत्रिक अनुवाद, कम्प्यूटर अनुवाद आदि।

इकाई 03 –

- अनुवाद के क्षेत्र और प्रकार – कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य, विधि, मानविकी आदि।
- अनुवाद की समस्याऐं, सृजनात्मक या साहित्यिक अनुवाद की समस्याऐं, वैज्ञानिक–तकनीकी अनुवाद की समस्याऐं, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याऐं आदि।

इकाई 04 –

- अनुवाद के उपकरण – कोश, पारिभाषिक शब्दकोश, थिसारस, कम्प्यूटर आदि।
- अनुवादक के गुण।
- पाठ् की अवधारणा और प्रकृति : पाठ् शब्द, प्रति शब्द, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।

सहायक ग्रन्थ –

1. अनुवाद कला – एन0 ई0 विश्वनाथ अय्यर।
2. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त और अनुप्रयोग – नगेन्द्र।
3. अनुवाद : सिद्धान्त और समस्याऐं – रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव।
4. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग – जी0 गोपीनाथन।
5. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा – रीता रानी पालीवाल।
6. अनुवाद की समस्याऐं – जी0 गोपीनाथन।
7. अनुवाद के विविध आयाम – पूरन चन्द्र टण्डन।

सत्रहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) जनपदीय भाषा साहित्य (गढ़वाली भाषा साहित्य)

इकाई 01 –

- बुराशं की पीड़ – मोहन लाल नेगी।
- सदेई – तारदत्त गैरोला, (प्रारम्भ के पचास छन्द)।
- सिंह सूक्तियां, हमारि जननि – भजन सिंह 'सिंह', देव बण को वर्णन – चन्द्रमोहन रतूड़ी, ढिमढिग – भगवती चरण निर्मोही, ब्वै की चिट्ठी – सुदामा प्रसाद प्रेमी, मुट्ठ बोटिक रख – नरेन्द्र सिंह नेगी।
- खबेश – प्रेमलाल भट्ट (निबन्ध), क्या गोरी क्या सौळी – गोविन्द चातक (निबन्ध)।

इकाई 02 –

- गढ़वाली भाषा और साहित्य का उद्भव, विकास और मुख्य साहित्यिक प्रवृतियां।

इकाई 03 –

- कहानी और निबन्ध पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई 04 –

- कविता पर आधारित आलोचनात्कम प्रश्न।

सहायक ग्रन्थ –

1. गढ़वाली लोक गीत : एक सांस्कृतिक अध्ययन – गोविन्द चातक।
2. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ0 हरिदत्त भट्ट शैलेश।
3. गढ़वाल के लोकगीत और लोकनृत्य – शिवानन्द नौटियाल।
4. गढ़वाली लोक साहित्य का सन्दर्भ : मध्य हिमालय – गोविन्द चातक।
5. गढ़वाली लोकमानस – शिवानन्द नौटियाल।

विकल्प (ख) हिन्दी आलोचना साहित्य

इकाई 01 –

- साहित्य और आलोचना का सम्बन्ध, आलोचना और आलोचक का सामाजिक–सांस्कृतिक दायित्व, आलोचना और समाज।
- आचार्य शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना – भारतेन्दु, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बन्धु, पदम सिंह शर्मा आदि।

इकाई 02 –

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की सैद्धान्तिक और व्यवहारिक आलोचना।

इकाई 03 –

- शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना – हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नन्ददुलारे वाजपेई, नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह।

इकाई 04 –

- रचनाकार आलोचक – प्रेमचन्द, प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी, दिनकर, अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही।

सहायक ग्रन्थ –

1. चिन्तामणि भाग 1 और 2 – रामचन्द्र शुक्ल।
2. भारतेन्दु हरिशचन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याऐं – रामविलास शर्मा।
3. आस्था और सौन्दर्य – रामविलास शर्मा।
4. नई कविता का आत्मसंघर्ष और अन्य निबन्ध – मुक्तिबोध।
5. एक साहित्यिक की डायरी – मुक्तिबोध।
6. सर्जना और सन्दर्भ – अज्ञेय।
7. रचना और आलोचना – देवीशंकर अवस्थी।
8. आलोचना और आलोचना – देवीशंकर अवस्थी।
9. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह।
10. आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय।
11. छठवां दशक – विजयदेव नारायण साही।
12. यथार्थवाद – शिव कुमार मिश्र।
13. कविता से साक्षात्कार – मलयज।
14. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह।
15. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह।
16. आधुनिक हिन्दी कवियों के काव्य सिद्धान्त – सुरेश चन्द्र गुप्त।

विकल्प (ग) अनुसंधान : प्रविधि और प्रक्रिया

इकाई 01 –

- अनुसंधान : स्वरूप, मूल तत्व और प्रकार।
- अनुसंधान और आलोचना।

इकाई 02 –

- विषय निर्वाचन, सामग्री संकलन, शोध कार्य का विभाजन : अध्याय, शीर्षक, उपशीर्षक और अनुपात।
- रूपरेखा, विषय सूची, प्रस्तावना, भूमिका, सहायक ग्रन्थ सूची, सन्दर्भ उल्लेख, पाद टिप्पणी।

इकाई 03 –

- साहित्यिक अनुसंधान में ऐतिहासिक तथ्यों और पद्धतियों का उपयोग।
- साहित्यिक अनुसंधान में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग।
- हिन्दी अनुसंधान में सम्बद्ध विषयों की भूमिका।

इकाई 04 –

- पाठानुसंधान, हस्तलेखों का संकलन व उपयोग।
- भाषा वैज्ञानिक अनुसंधान।

सहायक ग्रन्थ –

1. अनुसंधान का स्वरूप – सं0 सावित्री सिन्हा।
2. अनुसंधान की प्रक्रिया – सं0 सावित्री सिन्हा व विज्येन्द्र स्नातक।
3. शोध प्रविधि – विनय मोहन शर्मा।

अठ्ठारहवां प्रश्न पत्र – मौखिकी